महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

पहल

ई–समाचार पत्र (मासिक) – उनसठवां संस्करण (माह सितंबर, 2020)

➔ ''पहल'' के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में शासक मण्डल की बैठक
3. सबकी योजना सबका विकास PPC 2020 की तैयारी हेतु राज्यों से चर्चा हेतु वीडियो कांफ्रेंस
4. ''नेशनल डिजीटल हेल्थ मिशन''
5. लॉकडाऊन में लैंगिक भेदभाव हो समाप्त
6. कोरोना से बचाव हेतु ग्राम पंचायत की पहल
7. ग्रामीण क्षेत्र में कॉमन सर्विस सेन्टर का महत्व
8. प्रतिज्ञा महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन
9. कॉमन सर्विस सेंटर सेवा का नवाचार
10. ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना महामारी से बचने के लिए किए गये प्रमुख सराहनीय कार्य
11. आपदा प्रबंधन (आपदा के प्रकार)
12. योगसूत्र में मन के स्वरूप का विश्लेषण
13. कोरोना संक्रमण के समय वंचित सामुदाय हेतु सहायता
14. कोरोना काल की चर्चित शब्दावलियाँ
15. कोरोना को हराने के लिए पीएमएवाय–जी डेमोस्ट्रेटर बने वॉलिंटियर
16. हौसलों की उड़ान
17. सफलता की ऐसी कहानी जो बदल देगी आपके सोचने का नजरिया

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव (IAS)
अपर मुख्य सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
श्री संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–**mgsirdpahal@gmail.com**
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870

Designed & Developed By : Mr. Jay Kumar Shrivastava, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का उनसठवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2020 का नौवा मासिक संस्करण है।

इस संस्करण में दिनांक 29 अगस्त 2020 को माननीय मंत्री, श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास की अध्यक्षता में संस्थान की शासकीय मण्डल की बैठक का आयोजन मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल के सभाकक्ष में किया गया । जिसे **''माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में शासक मण्डल की बैठक''** समाचार आलेख के रूप में शामिल किया गया है।

सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी एक पूरे कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु दिनांक 10 अगस्त 2020 को पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा एक वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस समाचार को भी **''सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी हेतु पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा राज्यों से चर्चा हेतु वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन''** आलेख के रूप में इस संस्करण में शामिल किया गया है।

इसके साथ–साथ **''नेशनल डिजीटल हेल्थ मिशन, डिजीटल हेल्थ नेशन बनाने की ओर एक कदम''**, **''लॉकडाऊन में लैंगिक भेदभाव हो समाप्त''**, **''कोरोना महामारी से बचाव हेतु ग्राम पंचायत–काली देवी जिला झाबुआ की पहल''**, **''सफलता की कहानी – ग्रामीण क्षेत्र में कॉमन सर्विस सेन्टर का महत्व''**, **''सफलता की कहानी – प्रतिज्ञा महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन''**, **''पंचायत भवन मे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवा का नवाचार''**, **''ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना महामारी से बचने के लिए किए गये प्रमुख सराहनीय कार्य''**, **''आपदा प्रबंधन (आपदा के प्रकार)''**, **''योगसूत्र में मन के स्वरूप का विश्लेषण''**, **''कोरोना वायरस संकमण के समय वंचित सामुदाय हेतु सहायता''**, **''कोरोना काल की चर्चित शब्दावलियाँ''**, **''कोरोना को हराने के लिए पीएमएवाय–जी डेमोस्ट्रेटर बने वॉलिंटियर''**, **''हौसलों की उड़ान''** एवं **''सफलता की ऐसी कहानी जो बदल देगी आपके सोचने का नजरिया''** आदि आलेखों को शामिल किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पहल' का यह संस्करण आपको अत्यंत रूचिकर, नवीन उपयोगी एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

माननीय मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में शासक मण्डल की बैठक

महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान के शासक मंडल की 20वीं बैठक दिनांक 29 अगस्त, 2020 को माननीय मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया जी, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, की अध्यक्षता में वल्लभ भवन, भोपाल में आयोजित की गई।

शासक मंडल की गत बैठक की कार्यवाही विवरण का अनुमोदन किया गया एवं शासक मंडल के समक्ष गत बैठक दिनांक 10–02–2018 का पालन प्रतिवेदन श्री संजय कुमार सराफ, संचालक, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान जबलपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस बैठक में प्रशिक्षण तथा संस्थान के अन्य प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की गई एवं निर्णय लिए गये। बैठक में श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, श्री बी.एस. जामोद, संचालक, पंचायतराज संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण भी मौजूद थे।

आशीष कुमार दुबे
प्रोग्रामर

सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी हेतु पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा राज्यों से चर्चा हेतु वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन

सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी एक पूरे कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु दिनांक 10 अगस्त 2020 को पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा एक वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री ए.पी. नगर संयुक्त सचिव, पंचायतीराज मंत्रालय के द्वारा की गई।

इस वीडियो कांफ्रेंस में सभी राज्यों एवं संघ शासित राज्यों के राज्य ग्रामीण विकास संस्थान एवं ग्रामीण विकास संस्थानों के प्रमुखों द्वारा सहभागिता दी गई, इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी राज्यों एवं संघ शासित राज्यों से चर्चा कर सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी कोविड 19 महामारी को ध्यान में रखकर किस प्रकार इस पूरे कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संचालित किया जा सकता है , इस विषय में चर्चा कर हर राज्य के विभाग प्रमुख एवं राज्य ग्रामीण विकास संस्थानों के संचालको से उनके विचारों को सुना गया।

इसी तारतम्य में महात्मा गाँधी राज्य ग्रामीण विकास संस्थान एवं पंचायतराज संस्थान जबलपुर मध्य प्रदेश से श्री संजय कुमार सराफ संचालक एवं पंचायतराज संचालनालय भोपाल से श्री व्ही.के. त्रिपाठी, उपायुक्त द्वारा सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी की जानकारी प्रदान की ।

सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी हेतू वर्तमान में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद द्वारा कुल 684 सर्टिफाईड मास्टर रिसोर्स पर्सन का सहयोग लिया जा सकता है, पूरे कार्यक्रम का संचालन कोविड 19 महामारी को ध्यान में रखकर रखकर किया जा सकता है, इसके पश्चात सबकी योजना सबका विकास Peoples' Plan Campaign 2020 की तैयारी एवं क्रियान्वयन हेतु विभिन्न राज्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किये गए जिसमे सभी राज्यों द्वारा ग्राम सभाओ के आयोजन करने हेतु असमर्थता व्यक्त की एवं पूरे कार्यक्रम को अधिक से अधिक डिजिटल माध्यम से क्रियान्वित करने के विचार प्राप्त हुए।

सुरेन्द्र प्रजापति
संकाय सदस्य

''नेशनल डिजीटल हेल्थ मिशन'' डिजीटल हेल्थ नेशन बनाने की ओर एक कदम

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 15 अगस्त 2020 74वें स्वतंत्रता दिवस पर ''नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन'' शुरू करने की घोषणा की। माना जा रहा है कि 'आयुष्मान भारत' जैसी यह योजना भी दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन (National Digital Health Mission) के तहत पर्सनल मेडीकल रिकार्ड, जांच केंद्र, मेडिकल संस्थान और स्टेट मेडिकल काउंसिल को डिजीटलाइज करने की योजना है ताकि दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों की चिकित्सक से जांच हो सके।

इस योजना को चार फीचर के साथ शुरू की जा रही है –

1. हेल्थ आईडी
2. पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड्स
3. डिजी डॉक्टर
4. हेल्थ फैसिलिटी रिजस्ट्री

आगामी समय में इस योजना में ई–फार्मेसी और टेलीमेडीसिन सेवा को भी शामिल किया जाएगा, इसके लिए गाइडलाइंस बनाई जा रही है।

स्वेच्छा से योजना में शामिल होना –

इस ऐप में किसी भी नागरिक को स्वयं को शामिल करना ऐच्छिक होगा, इसके लिए कोई जोर नहीं डाला जाएगा। हेल्थ रिकॉर्ड संबंधित व्यक्ति की मंजूरी के बाद ही शेयर किया जाएगा। इसी तरह अस्पतालों और डॉक्टर को इस ऐप के लिए डिटेल उपलब्ध करना ऐच्छिक ही होगा। इस ऐप की उपयोगिता को देखते हुए इसमें बड़े पैमाने पर लोग शामिल हो सकते हैं।

योजना का लक्ष्य –

- एक डिजीटल हेल्थ सिस्टम बनाना और हेल्थ संबंधी डेटा को मैनेज करना।
- हेल्थ संबंधी डेटा कलेक्शन की क्वालिटी और प्रसार को बढ़ाना।
- एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना जहां हेल्थकेयर डेटा की परस्पर उपलब्धता हो।
- पूरे देश के लिए अपडेटेड और सही हेल्थ रजिस्ट्री को तुरंत तैयार करना।

इस ऐप के मुख्य फीचर्स –

- हेल्थ आईडी

- पर्सनल हेल्थ केयर रेकॉर्ड
- डिजी डॉक्टर
- हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री
- टेलीमेडीसिन
- ई–फार्मेसी

ऐप के लिए गाइडलाइंस

- लोगों का इस ऐप में शामिल होना उनकी इच्छा पर निर्भर
- निजता और सुरक्षा का ध्यान
- समावेशी जानकारी
- आसान प्रक्रिया

देश की सबसे बड़ी हेल्थ स्कीम ''आयुष्मान भारत'' को लागू करने वाली NHA ने ही इस ऐप और वेबसाइट को बनाया है। इस योजना को हेल्थकेयर सेक्टर में ''आयुष्मान भारत'' के बाद इसे एक बड़ी योजना के तौर पर देखा जा रहा है।

योजना चरणबद्ध तरीके से लागू होगी

NDHM योजना को देश में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शुरू में इसे कुछ चुनिंदा राज्यों में लागू किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्तावित योजना के लिए 470 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है।

इस योजना में निजता का बेहद ख्याल रखा गया है। कोई भी जानकारी बिना संबंधित व्यक्ति की इच्छा के शेयर नहीं किया जाएगा। लोगों को यह भी विकल्प दिया जाएगा कि उनके हेल्थ डेटा को कुछ समय के लिए डॉक्टर देख पाएं। लोग अगर चाहें तो इस योजना से आधार कार्ड को भी लिंक करा सकते हैं। हेल्थ आईडी देश के सभी राज्यों, अस्पतालों, जांच केंद्र और फार्मेसी में लागू होगी।

डिजी डॉक्टर विकल्प देश के सभी डॉक्टरों को इस ऐप पर रजिस्टर करने की सुविधा देगा। इसमें डॉक्टर अपने मोबाइल नंबर भी देना चाहें तो दे सकते हैं। इन डॉक्टरों को डिजीटल सिग्नेचर मुफ्त में मुहैया कराया जाएगा और वे पर्चा लिखते वक्त इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसी तरह हेल्थ फैसिलिटी में एक यूनिक इलेक्ट्रॉनिक्स आइडेंडिटिफायर दिया जाएगा। यह दो तरह से काम करेगा। पहला, इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी तरह की हेल्थ सुविधाओं को जांचा जाए और दूसरा कि इस फैसीलिटी को सभी प्रकार की क्लियरेंस मिल गई है। NDHM स्कीम भारत को एक डिजिटल हेल्थ नेशन बनाने की तरफ एक कदम है।

जय कुमार श्रीवास्तव
प्रोग्रामर

लॉकडाऊन में लैंगिक भेदभाव हो समाप्त

लॉकडाऊन के दौरान पुरूषों की नौकरी चली गयी, पुरूष घर पहुंच गये, घरेलु हिंसा में वृद्धि हो गयी। इस विषम परिस्थिति में बहुत सी महिलाओं ने अलग अलग उधमों को घर से प्रारंभ किया जिससे घर में बैठे रोजगार मिला और घरेलु हिंसा अन्य यौन उत्पीडनों से महिलाये मुक्त हुई। शहडोल (म.प्र.) के सरिहट गांव की आदिवासी महिलाओं ने अपने हुनर और हौसले से पूरे परिवार हो चला रही है। आज महिलाओं द्वारा सरिहट गांव की तस्वीर बदल रही है। 45 एकड में 15 सौ क्विटल हल्दी का उत्पादन कर हल्दी को बाजार में बेजा जा रहा है। राज्य गामीण आजीविका मिशन म.प्र. के सहयोग से समूह की प्रत्येक महिलायें 8 से 10 हजार रूपये प्रतिमाह कमा रही है।

हल्दी उत्पादन में 100 महिलायें जुडी है। गांव में हल्दी प्रोसेसिंग यूनिट लगी है, जिसका सालाना कारोबार 55 लाख तक है। हल्दी छात्रावास एवं अस्पतालों में सप्लाई की जा रही है। महिलाओं का आगे आना रोजगार में बढावा एवं पलायन रूकने के साथ घरेलु हिंसा भी कम हो रही क्योकि महिलायें सशक्त हो रही है। यह प्रयास समूह का 02 साल से जारि था परंतु लॉकडाऊन में ज्यादा सफल हुये। स्व सहायता समूह लैगिंक भेदभाव को दूर करता है क्योकि महिलाओं के हाथ रोजगार पैसा रहेगा तो लैगिंग भेदभाव अपने आप कम हो जायेगा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन म.प्र. लॉकडाउन के दौरान हर जिले में महिला समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोडकर लिंग भेदभाव को कम करने के लिये भी कार्य कर रहा है।

घरेलु हिंसा को महिलायें चाहे तो रोक सकती है इसका वर्तमान उदाहरण तेलगांना राज्य की मेहबूब

नगर की महिला पुलिस अधीक्षक रामा रामेश्वरी जिन्होने मोबाइल सेफटी वाहन की मदद से पीडित महिलाओं की मदद कर 40 पीडिताओं के मामलों को सुलझाया एवं लॉकडाउन के दौरान 11000 मजदूरों को घर पहुंचाया। घरेलु पीडित महिलाओं को मोबाइल सेफ्टी वाहन से घर पहुंचाना एवं मामलो को सुलझाना ऐसे कार्य सभी राज्य की पुलिस, गांव में पदस्थ अधिकारी व कर्मचारी तथा ग्रमीण महिलायें कर सकती है। ऐसी पहल सराहनीय है।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

कोरोना महामारी से बचाव हेतु ग्राम पंचायत–काली देवी जिला झाबुआ की पहल

मानव, सृष्टि के सृजन से लेकर वर्तमान तक विभिन्न आपदाओं का साक्षी रहा है। मानव जाति ने हमेशा इन आपदाओं निपटने में सक्रिय भूमिका निभाई है। मानव इस समय भी कोरोनावायरस रूपी वैश्विक आपदा से निपटने में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है।

विदित है कि कोरोना वायरस एक वैश्विक महामारी है जो मानव से मानव में स्थानांतरित होती है । आज विश्व के अधिकांश देश इस महामारी से निपटने की जद्दोजहद कर रहे हैं, परिणामस्वरूप विभिन्न देशों ने इस वायरस के प्रसार को रोकने के लिये लॉकडाउन की व्यवस्था को अपनाया है। इसी दिशा में COVID–19 के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर भारत में भी संपूर्ण लॉकडाउन की व्यवस्था को अपनाया गया है।

COVID –19 महामारी आज भारत समेत दुनिया भर में स्वास्थ्य और जीवन के लिये गंभीर चुनौती बनकर खड़ी है एवं जहां एक तरफ देश नोबल कोरोना वायरस (COVID–19) महामारी से उपजी समस्याओं से लड़ रहा है उसी दिशा में महामारी के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिये झाबुआ जिले के जनपद पंचायत– रामा में स्थित ग्राम पंचायत–कालीदेवी में शासन के साथ कदम से कदम मिलाते हुए एवं विभिन्न विभागों (पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, समाजिक न्याय एवं निशक्जन कल्याण, स्वास्थ एवं आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग) में आपसी समन्वय से निम्न कदम उथाए जा रहे हैं ।

ग्राम पंचायत द्वारा वायरल इन्फेक्शन से बचाव हेतु सभी नागरिकों को घर घर जाकर मास्क एवं साबुन वितरित किये जा रहे हैं, समय समय पर बहुल बस्तियों को सैनिटाइज किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत स्तर में गठित सचिव , रोजगार सहायक , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता के दल द्वारा नागरिकों के इम्यून सिस्टम बढ़ाने हेतु आयुष विभाग के सहयोग से दवाइयों का वितरण किया जा रहा है।

अन्य राज्यों से आये अप्रवाशी मजदूरों के लिए बालक छात्रावास को Qurantine सेण्टर बनाया गया है जहाँ समय समय पर खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा जाँच की सुविधा प्रदान की जा रही है एवं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अप्रवाशी मजदूरों को गुणवत्ता युक्त भोजन प्रदान किया जा रहा है।

नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, श्रमिक आदि का भुकतान बैंक कॉरेस्पोंडेंस के माध्यम से ग्राम पंचायत में ही किया जा रहा है। गरीबी रेखा में जीवन व्यतीत करने वाले एवं अति गरीब जिनमे गांव में फेरी लगाने वाले, ठेले लगाने वाले आदि परिवारों को खाद्यान पैकेट वितरित किये गए ।

श्रमिकों को मनरेगा के माध्यम से रोजगार प्रदान किये जा रहे है एवं नागरिकों को खाद्यान एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण सोशल डिस्टन्सिंग का ध्यान रखते हुए किया जा रहा है एवं नागरिकों को घर से न निकले, सोशल डिस्टन्सिंग एवं स्वछता बनाये रखने हेतु सूचित भी किया जा रहा है।

समय समय पर कोरोना महामारी से बचाव हेतु उठाये गए कदमो की समीक्षा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामा द्वारा की जा रही है।

चुनौतियाँ

जागरूकता में कमी के कारण लोगों में सोशल डिस्टन्सिंग एवं स्वच्छता का आभाव जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है । संकट की इस घड़ी में शासन एवं नागरिकों को सामूहिक प्रयत्न करने की आवश्यकता है ताकि इस समस्या से हम शीघ्र बाहर निकल सकें। ऐसे कठिन समय में समन्वय और सहयोग की जरूरत है। इन समन्वित प्रयासों के माध्यम से ही इस वैश्विक महामारी के संक्रमण को रोका जा सकता है।

सुधा जैन,
संकाय सदस्य

सफलता की कहानी – ग्रामीण क्षेत्र में कॉमन सर्विस सेन्टर का महत्व

वर्तमान समय में जब कि कोरोना का प्रकोप पूरे देश में व्याप्त है ऐसे समय में बैंकों में भीड ना हो और ग्रामीणों को भौतिक दूरी का पालन करते हुए अपनी जरूरतों के लिये पैसे निकालने के लिये बैंक में लाईन में ना लगना पड़े, इसके लिये ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कामन सर्विस सेन्टर ग्रामीणों को बैंकिग सुविधाऐ उपलब्ध कराते हुए महत्वपूर्ण साबित हो रहे है ।

इसी क्रम में इन्दौर संभाग के खण्डवा जिले के आदिवासी विकास खण्ड खालवा की ग्राम पंचायत मल्हारगढ में कामन सर्विस सेन्टर संचालित किया जा रहा है । इस सेन्टर के संचालक मोहन रोकडे द्वारा ग्राम के दिव्यांगजनों को तथा प्रधानमंत्री जन धन योजना के अन्तर्गत गरीब कल्याण पैकेज के अन्तर्गत मिलने वाली राशि गांव में ही कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

ग्राम पंचायत मल्हारगढ में दिव्यांग हितग्राही अनवर खान, कलीराम को दिव्यांग पेंशन और प्रधानमंत्री जनधन योजना के लाभार्थी महिला रेखा बाई, सरस्वती बाई, समोता बाई अन्य महिलाओं को उनके द्वारा खाते से राशि निकालकर नगद उपलब्ध कराई गई ।

इसके साथ ही कोरोना महामारी से बचाव के लिये जानकारी भी दी जा रही है ग्रामीण जनो को समझाया गया है कि भीड–भाड वाली जगह पर ना जाऐं तथा बहुत आवश्यक होने पर ही घर से निकलें तथा मॉस्क लगाकर ही जाऐं और स्वच्छता बनाये रखे, साबुन से बार'–बार हाथ धोऐं तथा जुकाम खाँसीं व श्वास लेने में परेशानी जैसे लक्षण होने पर तुरन्त ही निकटतम चिकित्सालय में सम्पर्क कर अपनी जाँच कराऐं और कोरोना के संबंध में शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का पूर्णतः पालन करें ।

इस प्रकार कोरोना योद्धा मोहन रोकडे द्वारा अपनी ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को छोटी–मोटी वित्तीय सुविधा गांव में ही प्रदान करते हुए कोरोना से बचाव संबंधी जानकारी नियमित प्रदाय की जा रही है। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के कॉमन सर्विस सेन्टर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

श्रीमती रीमा अंसारी,
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जनपद पंचायत

सफलता की कहानी – प्रतिज्ञा महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन

समूह की महिला दीदियों के लिए आत्मनिर्भरता के प्रयास

दीनदयाल अंत्योदय योजना राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के सहयोग से प्रदेश की जिला पंचायत बैतूल की जनपद पंचायत शाहपुर में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है।

आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अब विभिन्न आय के साधनों से जुडक़र आत्मनिर्भरता मिल रही है। जिला बैतूल में आजीविका मिशन अंतर्गत जनपद पंचायत शाहपुर में स्थापित सिलाई सेंटर में आधुनिक सलाई मशीनें लगाई गई हैं। जिनसे प्रतिज्ञा महिला आजीविका संकुल स्तरीय संगठन की महिलाएं अब आधुनिक हाईटेक सिलाई मशीनों से पहले की अपेक्षा ज्यादा सिलाई कार्य सम्पन्न कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं।

वर्तमान में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय प्रदेश के जिला बैतूल में प्रभावशील लॉक–डाउन के दौरान इन स्व–सहायता समूहों की महिला सदस्यों द्वारा महज 10 दिनों में हाईटेक सिलाई सेंटर में लगभग 32 हजार मास्क का निर्माण कर विभिन्न ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायत एवं अन्य संस्थाओं को उपलब्ध कराए गए हैं। मास्क बना कर बिक्रय करने से समूह की सदस्यों को लगभग 96 हजार रूपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है।

हाईटेक सिलाई सेन्टर की आवश्यकता और स्थापना

शहपुरा हाईटेक सिलाई सेन्टर स्थापित करने की आवश्यकता के संबंध में जिला पंचायत बैतूल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अजीविका मिशन के जिला प्रबंधक द्वारा बताया गया कि, आजीविका मिशन अंतर्गत स्व

सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा संवहनीय आजीविका हेतु वर्ष 2018–19 में शाला गणवेश सिलाई का कार्य किया गया था, किन्तु सिलाई की आधुनिक मशीनों के न होने से महिलाओं को अत्यधिक श्रम करना पड़ा।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए जिला बैतूल की जनपद पंचायत शाहपुर में गठित महिलाओं के संकुल स्तरीय संगठन प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन द्वारा हाईटेक मशीनों से युक्त सिलाई सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए संगठन की महिलाओं द्वारा पिछले वर्ष गणवेश सिलाई कार्य से हुई आमदनी में से एक हिस्सा बचाकर एवं शेष राशि हेतु 30 स्वयं सहायता समूहों को बैंक से 30 लाख रूपए के नगद साख सीमा की स्वीकृति दिलाकर नई हाईटेक मशीने एवं आवश्यक सामग्री क्रय करने का निर्णय लिया।

प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन के सामने यह सवाल था कि ये हाईटेक सिलाई सेन्टर कहां लगाया जावे। यह बात समूह की दीदियों ने आजीविका मिशन के अधिकारियों को बताई। चूंकि इस सेन्टर की स्थापना में लागत भी अधिक आ रही थी। यह बात आजीविका मिशन के अधिकारियों द्वारा जिला पंचायत बैतूल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बताई गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एम. एल. त्यागी की विशेष रूचि और आजीविका मिशन के प्रयासों और समूह की दीदियों के लगातार अपनी बात रखने के परिणाम स्वरूप जिला पंचायत बैतूल और जनपद पंचायत शहपुरा द्वारा जनपद पंचायत शहपुरा में बने सामुदायिक भवन को इस हाईटेक सिलाई सेन्टर के लिए प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन को आबंटित कर दिया गया।

अब हाईटेक सिलाई सेन्टर के भवन की व्यवस्था भी हो गई थी। आजीविका मिशन के प्रयासों से सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करने के पश्चात् जनपद पंचायत शाहपुर के सामुदायिक भवन महिलाओं के संकुल स्तरीय संगठन को आवंटित भी कर दिया गया था। जिसे तैयार कर 40 हाईटेक सिलाई मशीनों के साथ 29 जून 2019 को सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया। इस प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना पर लगभग 11.50 लाख रूपए की लागत आई।

हाईटेक सिलाई मशीन प्रशिक्षण

सिलाई केन्द्र पर प्रारंभ में सभी महिलाओं को नई सिलाई मशीन पर कार्य करने का 20 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें सिलाई का प्रशिक्षण मेसर्स राजा इन्टर प्राइजेस पिपरिया जिला होशंगाबाद द्वारा निष्पादित अनुबंध के अनुसार दिया गया। प्रशिक्षण के साथ ही लोअर एवं जैकेट सिलाई का कार्य भी दिया गया।

महिलाओं में जागा आत्मविश्वास, बढ़ी आमदनी

लोअर एवं जैकेट निर्माण का कार्य मिलने से महिलाओं को आत्मविश्वास आने लगा और वे इस कार्य को आसानी से स्पीड के साथ करने लगीं। इस कार्य के लिए महिलाओं को संबंधित संस्था से किए गए अनुबंध के अनुसार सिर्फ सिलाई कार्य करने पर प्रति माह प्रति महिला को पांच हजार रूपए आमदनी होने लगी। इस राशि से महिलाओं को घर का खर्च चलाने में आसानी हुई और परिवार को भी आगे बढने में मदद मिलने लगी। उक्त सिलाई केन्द्र में वर्तमान में कुल 30 समूहों की 32 प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा कार्य किया जा रहा है। कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान इन महिलाओं को मास्क निर्माण कार्य से जोड़ा गया, जिससे वे लाभ अर्जित करने के साथ–साथ आत्मनिर्भर भी बन रही हैं।

इस सफलता के प्रसंग से मिली सीख

प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन, शहपुरा जिला बैतूल, मध्यप्रदेश की महिला सदस्यों के दृढ़संकल्प और आधुनिक तकनीकी को अपनाने के साहस से ही वे नवीन, आधुनिक संसाधनों से युक्त हाईटेक सिलाई सेन्टर स्थापित हो पाया। इन स्व–सहायता समूह की दीदियों ने अपने पुराने अनुभव के साथ–साथ नवीन हाईटेक सिलाई मशीन पर कार्य करने का प्रशिक्षण लिया और आपने कार्य पर जुट गई।

समूह की दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जनपद पंचायत शहपुरा और जिला पंचायत बैतूल के अधिकारियों द्वारा विशेष प्रयास किये गये। विशेष रूप से श्री एम. एल. त्यागी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बैतूल द्वारा इस नवाचार की पहल की गई।

आजीविका मिशन बैतूल के जिला स्तर के अधिकारियों एवं जनपद पंचायत शहपुरा के संकुल स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन, बैंक, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायतों, व्यापारियों इत्यादि से संपर्क एवं समन्वय का कार्य किया गया।

हमें प्रतिज्ञा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन द्वारा सफलतापूर्वक चलाये जा रहे हाईटेक सिलाई सेन्टर से यही सीख मिलती है कि, जहां आजिविका मिशन, जिला पंचायत, जनपद पंचायत की सकारात्मक पहल की गई हो, समूह सदस्यों में दृढ संकल्प हो, इनमें आधुनिक तकनीक के साथ कार्य करने की ललक हो तो समूह की दीदियों को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ने से काई रोक नही पाएगा।

डॉ. संजय कुमार राजपूत,
संकाय सदस्य

पंचायत भवन मे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवा का नवाचार

राजगढ़ जिले में पंचायत कार्यालय को बहूद्देशीय बनाने एक नवाचार की शुरुआत की गई है। अब बैंक सखियां पंचायत भवन में बैठकर ग्रामीणों को आवश्यक सुविधा प्रदान करेगी। इसके माध्यम से पंचायत पर ग्रामीणों को वित्तीय लेनदेन के साथ कॉमन सर्विस सेंटर से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हो सकेगी। राजगढ़ जिले का यह प्रयास ग्रामीणों को शहर के चक्कर से राहत देगा।

यह सखियां खसरा खतौनी की नकल, आय, जाति, मूल निवासी, पेंशन, छात्रवृत्ति, मजदूरी भुगतान, बीमा, रिचार्ज, आयुष्मान भारत कार्ड, जनधन खातों से निकासी, प्रंधानमंत्री जन धन योजना, संबल सहायता वितरण सहित वित्तीय एवं आवश्यक सेवाओं के साथ ऑनलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान करेगी।

प्रारंभिक स्तर पर पटकिया, सुस्तानी, सालेहपुर, लश्करपुर, देवली महाराज, करनवास सहित 50 पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ की गई है। इस हेतु आजीविका मिशन से जुड़ी हुई समूह महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर कॉमन सर्विस सेंटर की आईडी उपलब्ध कराई गई है। इस नवाचार से पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को जहां विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी, वही सेंटर का संचालन करने वाली महिलाओं को आय अर्जित होगी। पंचायत पर कॉमन सर्विस सेंटर की सुविधा होने से ग्रामीणों को अब कई सेवाओं के लिए शहर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, वही कई तरह की ऑनलाइन सुविधाएं भी इनके माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। यह बैंक सखियां बैंकिंग कार्य के साथ कॉमन सर्विस सेंटर की भी सेवाएं प्रदान करने में दक्ष हो गई हैं। इसी के तहत सीएससी एवं बैंक सुविधाओं को पंचायत पर उपलब्ध कराने यह नवाचार किया जा रहा है। जिले में कार्यरत 110 सखियों ने लॉक डाउन के दौरान 6 करोड़ से अधिक का वित्तीय अंतरण किया है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री **श्री शिवराज सिंह चौहान** ने भी आजीविका मिशन अंतर्गत राजगढ़ में कार्यरत बैंक सखियों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री जी ने जिले के प्रयासों को सराहा तथा बैंक सखी मॉडल के विस्तार की बात कही।

ना मैं बोलूं, न तू बोले, न कोई रहनुमा बोले !
हमारी कोशिशें बोले,....हमारा कारवां बोले !!

रूषाली पोरस,
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जनपद पंचायत

ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना महामारी से बचने के लिए किए गये प्रमुख सराहनीय कार्य

ग्राम पंचायत बोरगांव में जिला छिंदवाड़ा में विश्वव्यापी कोविड –19 महामारी एक सुरसा की तरह अपना मुह फैलाये लोगों की जिन्दगी लेने के लिये खड़ी है चाहे वह गरीब परिवार हो या अमरी परिवार कोविड का श्राप सभी वर्ग के उपर पड़ा है। इन्ही परिस्थितियों में जिला छिंदवाडा भी अछूता नहीं रहा है।

ग्राम पंचायत बोरगांव में लोगो के पास लम्बे समय से चल रहे लॉकडाउन के चलते न तो रोजगार है ओर न ही खाने के लिये दाने। इन सब परिस्थितियों को देखते हुये स्वयं सेवी संस्था ,ग्रामवासी ,ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत ,जिला प्रशासन एवं राज्य शासन के संयुक्त प्रयास से जरूरतमंदों आवश्यक सामग्री आदि का वितरण किया गया तथा कोरोना महामारी से बचने के लिए निम्नलिखित प्रमुख सराहनीय कार्य किए गये :–

1. Hand Sanitizer : ग्राम पंचायत बोरगांव में सुवर्णा ठाकुर एम.आर.पी. एवं गुरूकृपा आजीविका समहू द्वारा उपलब्ध सामग्री के उपयोग से Hand wash Liquid Sanitizer बनाकर ग्राम मे वितरित किया जा रहा है ।
2. SANITIZING BY MACHINE : ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना से बचाव हेतु गुलाबराव ताजने जन सेवा समिति के द्वारा फायर बिग्रेड मशीन से समस्त गांब के सडको,मंदिरों घरो समस्त स्थानो मे सेनेटाईजर को छिडक कर सेनेटाईज किया गया सेनेटाईज करते समय गुलाबराव ताजने जन सेवा समिति के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,कोषाध्यक्ष,समिति के सदस्य ,गांब के सरपंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे ।
3. SANITIZING MANUALLY : ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना से बचाव हेतु ग्राम पंचायत द्वारा कृषि यंत्र से समस्त गांब के सडको,मंदिरों घरो समस्त स्थानो मे सेनेटाईजर को छिडक कर सेनेटाईज किया गया ।
4. BY GARBAGE VAN : ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना से बचाव हेतु ग्राम पंचायत द्वारा गारवेज वेन से समस्त गांब के घरों एवं सडको से कचडा इकट्ठा गांव को स्वच्छ किया गया।
5. BY AMBULANE : गांव के लोगो के लिये बीमारियो से पीडित व्यक्ति , गर्भवती महिलाओं एवं आपात कालीन स्थिति हेतु गांव मे ऐम्वुलेंस व्यवस्था शासन द्वारा की गई ।
6. FOOD DONATION : ग्राम पंचायत बोरगांव में लोगो के पास लम्बे समय से चल रहे लॉकडाउन के चलते न तो रोजगार है ओर न ही खाने के लिये दाने। इन सब परिस्थितियों को देखते हुये स्वयं सेवी संस्था ,ग्रामवासी ,ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत ,जिला प्रशासन एवं राज्य शासन के संयुक्त प्रयास से जरूरतमंदों को आनाज, मसाला, तेल, नमक, मास्क साबुन आदि घर–घर जाकर वितरण किया गया, तथा प्रयास किया गया की गांव का कोई व्यक्ति भूखा ना रहे ।
7. SERVEY : ग्राम पंचायत बोरगांव में ए.एन.एम.,आशा कार्यकर्त्ता एवं मेडिकल स्टाफ द्वारा गांव के प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति का सर्वे कर इनका स्वरस्थय परीक्षण किया गया ।
8. BY MASK DONATION : ग्राम पंचायत बोरगांव में स्व सहायता समूह की महिलाओं तथा ग्राम के व्यक्तियों द्वारा मास्क बनाकर गांव के लोगो को संक्रमण से बचाव हेतु निःशुल्क वितरित किये गये ।
9. SOCIAL DISTANCING RULES : ग्राम पंचायत बोरगांव में सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिये गांव मे प्रचार प्रसार तथा गांव के लोगो को निर्देशित किया गया ।

सभी कार्यकर्ताओं को अपनी सुरक्षा का विशेष ख्याल रखते हुए समस्त निर्देशो का पालन करने के लिये कहा गया।

निराश्रित परिवार को राशन वितरण करते हुये

24 X 7 ऐम्वुलेंस व्यवस्था

कचडा गाडी

मास्क एवं सेनेटाईजर वितरण

कोरोना महामारी से बचने के लिए निम्नलिखित विशिष्ठ सराहनीय कार्य किए गये :–

10. 24 X 7 Availabe Ambulance For quick medication of serious patients In critical condition… : गांव के लोगो के लिये बीमारियो से बचाव एवं आपात कालीन स्थिति हेतु गांव मे 24 ग 7 ऐम्वुलेंस व्यवस्था शासन द्वारा की गई तथा गांब मे गांब के बाहर स्कूल मे क्वारेटीन सेंटर बनाया गया तथा समस्त सुविधायें जैसे :– मेडीकल स्टाफ,मेडीसिन,बेड,पेयजल,भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री क्वारेटीन सेंटर मे उपलब्ध करायी गई ।
11. Motivating to Corona Warriors and Police : ग्राम पंचायत बोरगांव में कोरोना वारियर्स जैसे : आशा कार्यकर्त्ता, ए.एन.एम., पुलिस स्टाफ, सफाई कर्मी, पंचायत कर्मी, मेडिकल स्टाफ एवं अन्य कोराना वारियर्स का श्रीफल और शाल देकर सम्मान कर कोरोना वारियर्स को मोटिवेट किया गया। साथ ही कुछ कोराना वारियर्स का जन्म दिन भी ग्राम पंचायत मे मनाया गया ।
12. Seal of Gram Panchayat Entry & Borders : ग्राम पंचायत मे आने वाली सभी मार्गो को वेरियर लगाकर प्रतिबंधित किया गया एवं गांव के कोटवार तथा ग्राम वासियों की वेरियर ड्यूटी लगाई गई , ग्राम वासियों को गांव से आना जाना प्रतिबंधित किया गया ।

रविन्द्र पाल
प्रोग्रामर

पिछले अंक के आगे.....

तीव्र गर्जन एवं बिजली/तड़ित और बज्रपात

क्या करें – क्या न करें –

- याद रखें रबर सोल के जूते एवं रबर–टायर बिजली गिरने से कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करते है।
- संभावित आपदा से पूर्व, घर के सभी बिजली उपकरणों का प्लग से संपर्क हटा दें ताकि आपदा के दौरान करंट से उपकरणों को बचाया जा सके।
- बिजली के उपकरणों या तार के साथ संपर्क से बचें, अन्य बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटे और कंक्रीट की दीवारों का सहारा न लें। बिजली गिरने के दौरान इनमें करंट का प्रवाह हो सकता है।
- स्थानीय रेडियों व अन्य संचार साधनों के द्वारा मौसम की जानकारी व अन्य निर्देश प्राप्त करते रहना चाहिए।
- बिजली के खंभों/टूटे तारों से दूर रहें व इसकी जानकारी नजदीकी बिजली कार्यालय अथवा पुलिस चौकी को शीघ्र दें।

तड़ित/बज्रपात

तड़ित/बज्रपात के दौरान कई लोग मरते या घायल होते है। कई बार ऐसी घटनाएँ सामने आयी कि बज्रपात के समय टेलीफोन का इस्तेमाल करने से बिजली के झटके लगते है ऐसे में बज्रपात के दौरान निम्नलिखित सावधानियॉ ध्यान से रखें:–

तुरंत कार्यवाही करें

- बिजली मिस्त्री से सलाह ले कर घर में तड़ित–चालक लगवाएँ।

अगर आप बाहर हो (बज्रपात के समय)

- अगर आपको बिजली चमकने के 10 सेकेण्ड के बाद गर्जन सुनाई देती है तो इसका मतलब है कि वो आपसे 3 कि.मी. दूर है। अतः तुरंत ही सुरक्षित आश्रय ढूंढें।

अगर आप घर के अंदर होः–

- ऑधी आने के पहले टीवी, रेडियो, और कंम्प्यूटर सभी का मोडेम और पॉवर प्लग निकाल दें।
- सारे पर्दे लगा दें। खिड़कियां बंद रखे। बिजली से चलने वाली वस्तुओं का इस्तेमाल ना करें।
- टेलीफोन का इस्तमाल ना करें। आपातकाल में फोन करें पर विद्युत चालक वस्तुओं को ना छुए। खाली पैर फर्श या जमीन पर ना खड़े रहें।

प्राथमिक उपचारः–

- झटके लगने के दौरान तुरंत हृदय के पास मालिश करें, और मुंह द्वारा पुनरुज्जीवन क्रिया करें। ऐसा तब तक करते रहें जब तक कि कोई मदद ना पहुॅचे। (आपको रोगी से बिजली नहीं लगेगी)

➢ **बज्रपात के कुछ तथ्य और कुछ गलत धारणाएँ –**

- जब किसी पर बिजली गिरती है तो वो जलता नही बल्कि उसके हदय और श्वास नली पर असर होता है।
- करीबन 30% लोग जिस पर बज्रपात होता है मरते है। अगर प्राथमिक उपचार सही समय पर दिया जाए तो लंबी बीमारी की संभावना भी बहुत कम हो जाती है।
- अगर आपके कपड़े गीले है तो आप पर बज्रपात का उतना असर नहीं होगा क्योंकि आवेगित चार्ज कण गीले कपड़े से गुजर जाएगा ना कि शरीर से।
- एक ही जगह पर बज्रपात कई बार हो सकता है।

डॉ. त्रिलोचन सिंह
संकाय सदस्य

15 अगस्त के पावन पर्व पर संचालक, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, जबलपुर द्वारा ध्वजारोहण किया गया, इस अवसर पर सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

योगसूत्र में मन के स्वरूप का विश्लेषण

1. प्रस्तावना

षड्दर्शनों में योग दर्शन भी अपना सिद्धांत इस हेतु प्रस्तुत करता है। पुरुषार्थ से शून्य[1] हुये गुणों का अपने कारण में लीन हो जाना कैवल्य है अथवा चित्त शक्ति का अपने स्वरूप में अवस्थित हो जाना कैवल्य है। प्रतिप्रसव में संस्कार मन में मन अहंकार में अहंकार बुद्धि (चित्त) में और बुद्धि प्रधान (मूल) प्रकृति में लय हो जाती है। इस पुरुष का लक्ष्य अपवर्ग संपादित कर गुण जब अपने कारणों में लीन हो जाते है यही अवस्था कैवल्य की अथवा बंधन मुक्ति की है।

सात्विक चित्त[2] (मन+बुद्धि+अहंकार) का पुरुष के समान निर्मल हो जाना अर्थात चित्त में रजस व तमस का मैल दूर होकर सत्वचित् पुरुष से भेदरहित एकाकार कर लेने की स्थिति को कैवल्य, अपवर्ग, निर्वाण, मुक्ति, मोक्ष, स्वरूप, स्थिति, गुणाधिकार समाप्ति, परमधाम–प्रवेश और परमपद–प्राप्ति कहा जाता है।

कैवल्य–प्राप्ति की इस प्रक्रिया में हमें इन्द्रियजय कर मन पर नियंत्रण प्राप्त कर प्रकृति को वश में (जय) करना पड़ता है। इस हेतु तत्त्वज्ञान मनुष्य को मार्ग दर्शाता है। और योगज्ञान सत्कर्म का दिशा–निर्देश करता है। ऐसा मत योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण का है।योगेश्वर के निर्देश से हम सांख्य के सृष्टिक्रम को योग–दर्शन के परिप्रेक्ष्य में भी ग्रहण कर सकते है और सांख्य के ज्ञान से योग रूपी कर्मो के व्यापार को यथार्थ रूप से (ऋतम्भरा.....प्रज्ञा) ग्रहण कर सकते है।

सांख्य का संयोग परिणाम विकासवाद को मानता है। सांख्य दर्शन बंधन और मोक्ष को दो मूल तत्त्वों से स्पष्ट करता है। पुरुष जो कि आदि उदासीन, चेतन, प्रकाश स्वरूप, व्यक्त, निष्क्रिय गुणातीत, दृष्टा ज्ञान रूप और क्षेत्रज्ञ है। अज्ञानतावश प्रकृति जो जड़, अचेतन, अव्यक्त, अंधकाररूपी, अनंत, गुणी, दृश्य, माया और क्षेत्र स्वरूप है, इससे संयोग कर लेता है। इसी कारण बंधन ग्रस्त हो जाता है। बंधन से मुक्ति कार्य का पुनः कारण में लीन हो जाना है। सांख्य सिद्धांत कार्यकारण का ज्ञान प्रकाशित करता है वहीं योग इस सिद्धांत का साधनादिपरक निरूपण प्रस्तुत करता है।

मूल प्रकृति साम्यावस्था में पुरुष से भिन्न होती है। पुरुष के सानिध्य में प्रकृति प्रसवावस्था को प्राप्त करती है और इसकी साम्यावस्था भंग होकर सृष्टि का सृजन शुरु हो जाता है। इस क्रम में मूल प्रकृति विकृत हो, महत्त्व में(बुद्धि में) बुद्धि अहंकार में, अहंकार त्रिगुणात्मक रूप में तामस से पंचतन्मात्रा और पंच महाभूत उत्पन्न करता है। राजस से पांच कर्मेन्द्रियां उत्पन्न होती है और सात्विक अहंकार से पांच ज्ञानेन्द्रियां एवं मन उत्पन्न होता है। इस सृष्टिक्रम का ठीक विपरीत क्रम लय का होता है । इस अवस्था में पुरुष का संयोग परिणाम समाप्त होकर वह बंधन मुक्त हो जाता है। प्रस्तुत भाोध पत्र का विषय मन चूंकि मूल प्रकृति के प्रथम दो विकारों बुद्धि और अहंकार के साथ मिलकर चित्त बनाता है और इसी चित्त में दृश्य संसार का सारा व्यापार होता है । क्लिष्ट रूप पांच वृत्तियां(प्रमाण, विपर्यय, विकल्प, निद्रा, और स्मृति) समस्त जागतिक खटपट का कारण है। प्रशांत चित्त में संकल्प (मन) द्वारा वृत्तियां उठने लगती है, जो सुख–दुख या बंधन– मोक्ष का कारण है। इस कारण विवेच्य विषय का आधार है।

1. मन कास्वरूप

मन आत्म और अनात्म (चेतन व जड़) के बीच में अति सूक्ष्य विलक्षण शक्ति है जिसके अधीन बंधन व मोक्ष है । मन ही यह जगत् है मन नहीं तो यह सृष्टि नहीं रह जाती है। यह जिस विषय–पदार्थ को ग्रहण करता है । तद्रूप होकर वही हो जाता है । उपनिषद मन की उत्पत्ति अन्न से बतलाते है कि खाया

अन्न तीन रूप में बट जाता है अत्यंत स्थूल भाग मल में मध्यसार मांस में और अत्यंत सूक्ष्म भाग **मन** हो जाता है, इसलिए कहा जाता है कि जैसा खाय अन्न वैसा बनता मन इस प्रकार मन **अन्नमय** है।

मन (सत्व) आदि का स्थान हृदय है जो दोनों स्तनों और उरःकोष्ठ (वक्षस्थल) के मध्य में स्थित है। हृदय में बुद्धि और मन का निवास होने से गर्भ में प्रथम हृदय का निर्माण होता है, ऐसा कृतवीर्य का मत है। शरीर के छहों अंगों दो हाथ, दो पैर, मध्य भाग और शिरोग्रीवा का ज्ञान कराने वाली इंद्रियां (श्रोत्र, त्वक, चक्षु, रसना, और घ्राण) और उनके पांचों अर्थ (शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध) सगुण आत्मा और चित्त (मन) ये सब हृदय में अवस्थित रहते है, अर्थात् मन और चेतना का स्थान हृदय है तथा मन का कार्यक्षेत्र संपूर्ण शरीर है।

2. मनोनिग्रह के उपाय

मन को अस्थिर करने वाले नौ चित्त के अन्तराय योग सूत्र में बताये गये है। व्याधि, स्त्यान, संशय, प्रमाद, आलस्य, अविरति, भ्रांतिदर्शन, अलब्धभूमिकत्व, अनवस्थितत्व। चित्त को निर्मल तथा प्रसन्न रखने हेतु सुखी–दुःखी पुण्यात्मा और पापियों के विषय में यथाक्रम मित्रता, दया, हर्ष और उपेक्षा की भावना के अनुष्ठान से चित्त प्रसन्न और निर्मल होता है।

निर्मल एवं शांत मन में मस्तिष्क की विद्युतीय आवृत्तियां लयबद्ध

इस स्थिति में श्वास को बाहर फेंकने और रोकने से (प्राणायाम) मन की विषय प्रवृत्त स्थिति होने लगती है। तथा इस प्रकार की शोकरहित वृत्ति मन को स्थिर करने वाली है। अपने ध्येय (इष्ट) पर ध्यान से भी मन एकाग्र होता है तथा आकाश के समान व्यापक हो जाता है। इस प्रकार मनोनिग्रह हेतु भोगों में वैराग्य, नियमों का पालन, मन की क्रियाओं पर विचार करते रहना, मन के कहने पर चलना,मन को सत्कार्यो में संलग्न रखना, मन को परमात्मा मे लगाना, एकतत्त्व का अभ्यास करना, नाभि या नासिकाग्र में दृष्टि स्थापन करना, शब्द श्रवण करना, मैत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा का व्यवहार करना, सद्ग्रन्थों का अध्ययन करना, श्वास के द्वारा नामजप करना, ईश्वर शरणागति एवं मन के कार्यो को देखना भगवत् कीर्तन आदि मनोनिग्रह के उपाय कहे गये है।

डॉ. वंदना तिवारी,
व्याख्याता

कोरोना वायरस संक्रमण के समय वंचित सामुदाय हेतु सहायता

गोपाल मांझी पिता श्री धरमदास ग्राम कन्हवार तहसील पिपरिया जिला होशंगाबाद (म0प्र0) में निवास करते हैं। ग्राम पंचायत में वर्ष 2016 की 15 अगस्त को आयोजित ग्राम सभा में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में कुटीर निर्माण हेतु इन्होंने नाम लिखवाया

था।

ग्राम पंचायत मझगांव (पोतला) विकासखंड नारायणगंज जिला मंडला में कोरोना से बचाव हेतु अनेक काम किए गए हैं जैसे सुश्री वन्दना मरावी के द्वारा घर पर ही मास्क बना कर ग्रामवासियों को निशुल्क वितरण किया गया तथा अन्य ग्रामों व पुलिसकर्मियों ,जनपद पंचायत के पदाधिकारियों व

तहसील कार्यालय के पदाधिकारियों को भी विशेष रूप से तिरंगे के तीनों रंगों के कपड़े से मास्क तैयार करके निशुल्क बांटा गया है उसी तारतम में जन जागरूकता हेतु दीवार लेखन किया गया दीवार लेखन के साथ–साथ भैंस के पीठ पर भी कोरोना से बचाव के बारे में लिखकर भैंस को पूरे गांव में घुमाया गया यह एक नई पहल हुई उसी दौरान सैनिटाइजर ना मिलने पर घर पर ही नीम की पत्ती 1 किलो, नीबू की पत्ती आधा किलो ,तुलसी पत्ती एक पाव को उबालकर उसमें अल्कोहल मिलाकर सैनिटाइजर तैयार कर गांव के लोगों को व गांव के सभी किराना दुकानों पर सैनिटाइजर दिया गया और दुकानदारों को बोला गया कि जो भी सामान लेने आते हैं उन्हें पहले सैनिटाइज कराएं उसके बाद सामान दें तथा किराना दुकानो व राशन दुकानों के बाहर 1 मीटर की दूरी पर गोल बनाया गया जिससे ग्राहक जब सामान लेने आए तो गोले में खड़े रहे व सामाजिक दूरी बनाए रखें इसी प्रकार गांव में डोर टू डोर सर्वे कार्य किया गया और गांव वालों से पूछा गया कि किसी को कोई दिक्कत तो नहीं है कोई बीमार तो नहीं है या किसी को राशन की जरूरत नहीं है आदि बातों का डोर टू डोर सर्वे कार्य किया गया तथा जिनके पास शासन नहीं था उनको पंचायत के द्वारा उन परिवारों को राशन दिया गया व जिन परिवारों में बाहर से मजदूर आए थे उन्हें घर पर ही रहने की सलाह दी गई उसी प्रकार गांव के चारों रास्तों पर चेक पोस्ट बनाया गया ताकि जो बाहर से लोग आ रहे हैं उनकी जानकारी ले सकें।

डॉ. विनोद सिंह,
संकाय सदस्य

कोरोना काल की चर्चित शब्दावलियाँ

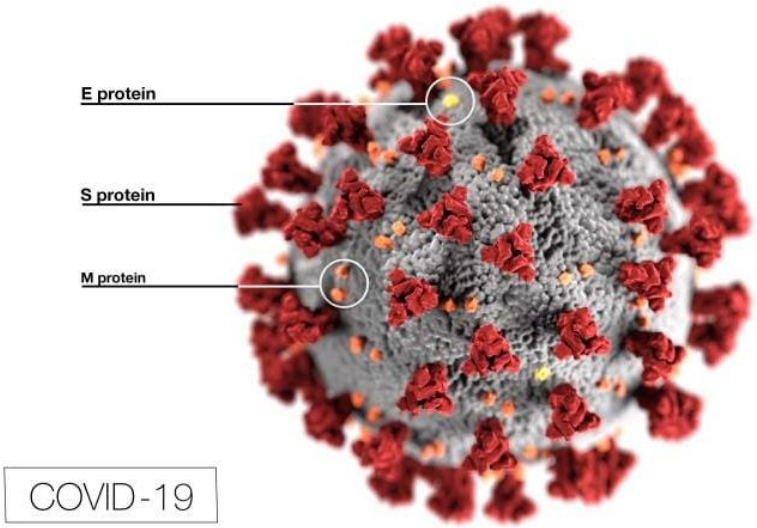

दुनिया के लगभग 215 देश इस समय कोरोना वायरस की चपेट में हैं। पिछले 8 माह के दौरान प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की खबरों पर हम कुछ ऐसे शब्द पढ़ते–सुनते आ रहे हैं जो कि इससे पूर्व आमतौर पर प्रचलन में नहीं थे लेकिन अब कोरोना की वजह से रोजमर्रा की बोलचाल की भाषा का हिस्सा बनते जा रहे हैं। इनमें से कुछ चर्चित शब्द हैं –

1. कोविड–19

कोरोना वायरस का तकनीकी नाम सार्स सीओवी–2 (SARSCoV–2) है। इसके कारण होने वाली सांस की बीमारी को कोरोना वायरस डिसीज 2019 यानी कोविड–19 नाम दिया गया है।

2. पैनडेमिक

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महामारी को दो रूपों में माना है।वैश्विक महामारी यानी पैनडेमिक और क्षेत्रीय महामारी को एपेडेमिक कहा जाता है।छह महाद्वीपों और 100 से अधिक देशों में फैलने के बाद 12 मार्च 2020 को WHO ने कोरोना को पैनडेमिक घोषित किया। वर्तमान में दुनिया के 215 देशों में यह बीमारी फैल चुकी है।

3. क्वारेंटीन

बाहर से आने वाले व्यक्ति को सबसे अलग रखने की प्रक्रिया को क्वारेंटीन कहा जाता है। किसी भी प्रकार के संक्रमण से अन्य लोगों को बचाने हेतु व्यक्ति को क्वारेंटीन (होम, संस्थागत)किया जाता है। यदि व्यक्ति ऐसे देश या क्षेत्र से आया है जहाँ कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है तो उसे 14 दिन तक सबसे अलग रखकर होम क्वारेंटीन किया जाता है।

4. आइसोलेशन

इस प्रक्रिया में कोरोना पॉजिटिव मरीज को सबसे अलग रखकर इलाज किया जाता है। मरीज को इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित मापदंडों के आधार पर स्वयं के घर पर भी होम आइसोलेशन में रखा जाता है।

5. लॉकडाउन

यह एक आपातकालीन व्यवस्था है जो महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय किसी इलाके में सरकारी आदेश से लागू की जाती है। लॉकडाउन के दौरान किसी को भी अपने घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती। केवल इमरजेंसी सेवाएं ही चालू रहती हैं। भारत सहित विश्व के अनेक देशों ने कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने हेतु परिस्थितियों के अनुसार अपने देश में लॉकडाउन लागू किया। लॉक डाउन से संक्रमण नियंत्रित करने के साथ साथ

सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यक अधोसरंचना तैयार करने का भी समय मिल जाता है।

6. सोशल डिस्टेंसिग

इसका शाब्दिक अर्थ है सामाजिक दूरी अर्थात एक दूसरे से दूर रहना ताकि संक्रमण के खतरे को दूर किया जा सके। कोरोना वायरस के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने एक दूसरे से ''दो गज की दूरी है जरूरी'' अपील की है। कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु दुनिया भर में भीड़– भाड़ वाले आयोजन टाले जा रहे हैं।

7. मास्क

कोरोना संक्रमण से बचाव के तरीकों में फेस मास्क लगाना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में प्रचलित प्रमुख मास्क हैं सर्जिकल मास्क, छ 95 मास्क एवं कपड़े से बने 3 लेयर मास्क। खाँसते, छींकते या बात करते समय मास्क वायरस युक्त सूक्ष्म कणों को दूसरे व्यक्ति तक पहुंचने से रोकते हैं।

8. पीपीई किट

पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट किट अर्थात व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग संक्रमित मरीज का इलाज करते समय डॉक्टर, नर्स और मेडिकल स्टाफ द्वारा कोरोना वायरस और अन्य घातक बैक्टीरिया से बचाव हेतु किया जाता है। इस किट में एक बॉडीसूट प्लस हेड गियर, फुल गाउन, चश्मा, 3 लेयर सर्जिकल मास्क, ग्लव्स, फेस शील्ड, शू प्रोटेक्टर और डिस्पोजेबल बैग होता है। कोरोना संकट के पहले भारत में एक भी पीपीई किट नहीं बनती थी। अब आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अगस्त 2020 की स्थिति में हमारे देश में प्रतिदिन 5 लाख पीपीई किट का निर्माण हो रहा है।

9. सिम्प्टोमैटिक–एसिम्प्टोमैटिक

ऐसे मरीज जिनमें कोरोना के लक्षण (खांसी, बुखार या सांस की तकलीफ)दिखाई देते हैं उन्हें सिम्प्टोमैटिक कहा जाता है। एसिम्प्टोमैटिक ऐसे मरीजों को कहा जाता है जो कोरोना संक्रमित होते

हुए भी उनमें संक्रमण के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। भारत में लगभग 80% कोरोना के मरीज एसिम्प्टोमैटिक पाए गए हैं।

10. एन्टीबॉडी

जब वायरस शरीर में प्रवेश करता है तो शरीर उसे खत्म करने के लिए कुछ प्रोटीन बनाता है। इन्हें एन्टीबॉडी कहते हैं। जिन व्यक्तियों के शरीर में मिले, वे या तो कोरोना संक्रमित हैं या हो कर ठीक हो चुके हैं।

11. सीरो सर्वे

किसी क्षेत्र की आबादी में संक्रमण कितना फैल गया है यह पता लगाने के लिए सीरोलॉजिकल सर्वे किया जाता है। इस सर्वे में लोगों के ब्लड में कोरोना वायरस की एंटीबॉडी की मौजूदगी पता की जाती है। इससे यह पता चल जाता है कि कौन व्यक्ति संक्रमित था और अब ठीक हो चुका है। यह सर्वे भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद(ICMR) द्वारा विकसित IgG एलिसा किट की मदद से किया जाता है। इस सर्वे से कोरोना के विरुद्ध जंग की कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलेगी।

12. कोविड 19 की जांच के विभिन्न टेस्ट

1. **आरटीपीसीआर टेस्ट (Real time polymerase chain reaction)** – इस टेस्ट में वायरस के आर एन ए की जांच की जाती है। इसमें नाक एवं गले से स्वेब का सैम्पल लिया जाता है। टेस्ट का रिजल्ट 12–16 घंटे में आता है।
2. **रैपिड एंटीजन टेस्ट** – कोरोना संक्रमण के वायरस की जांच हेतु नाक से स्वेब का सैम्पल लिया जाता है। वायरस में पाए जाने वाले एंटीजन का पता चलता है। रिजल्ट 20 मिनट में आ जाता है। इसकी विश्वसनीयता 100% है।
3. **ट्रू नेट टेस्ट** – ट्रू नेट मशीन के द्वारा न्यूक्लिक एम्पलीफायड टेस्ट होता है। नाक या गले से स्वेब का नमूना लिया जाता है। रिजल्ट 3 घंटे में आ जाता है।

13. सैनिटाइजर (प्रक्षालक)

कोरोना से बचाव हेतु बार बार हाथ धोने या सैनिटाइजर का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। सैनिटाइजर एक ऐसा साधन है जो हाथों को स्वच्छ कर वायरस या बैक्टिरिया के संक्रमण को रोकता है। एक अच्छे सैनिटाइजर में 70%-90% अल्कोहल (इथेनॉल या आइसो प्रोपेनोल) की मात्रा होना चाहिए। सैनिटाइजर जेल, फोम एवं तरल रूप में उपलब्ध हैं।

14. प्लाज्मा थैरेपी

प्लाज्मा थैरेपी में बीमारी से ठीक हो चुके लोगों के एंटीबाडी से युक्त ब्लड को बीमार लोगों को चढ़ाकर ठीक करने में किया जाता है। यह इस अवधारणा पर कार्य करती है कि जो मरीज संक्रमण से उबर कर ठीक हो जाते हैं उनके शरीर में वायरस के संक्रमण को बेअसर करने वाले प्रतिरोधी एंटीबॉडी विकसित हो जाते हैं। ICMR ने भारत में कोविड 19 रोग के इलाज हेतु ब्लड प्लाज्मा थैरेपी को सीमित संख्या में क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति दी है।

15. थर्मल स्कैनर

यह एक इन्फ्रारेड थर्मामीटर है जो दूर से ही शरीर का तापमान दिखाता है जिससे बुखार का पता

चलता है। लेकिन इससे कोरोना संक्रमण की पुष्टि नहीं होती।

थर्मल स्कैनिग से बुखार की जानकारी मिलने पर व्यक्ति को संदिग्ध मानकर आगे कोरोना जांच कराई जाती है। थर्मल स्कैन भीड़–भाड़ वाली जगहों पर कोरोना संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करता है।

16. कम्युनिटी स्प्रेड

किसी भी बीमारी या महामारी का कम्युनिटी स्प्रेड यानी कम्युनिटी ट्रांसमिशन तब होता है जब किसी संक्रमित मरीज के संक्रमण संपर्क की जानकारी नहीं मिल पाती। जब किसी इलाके में अधिक संख्या में संक्रमण के मामले आ जावें और लगातार ये संख्या बढ़ती जाए तो उसे कम्युनिटी ट्रांसमिशन कहते हैं। WHO के अनुसार यह कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी स्टेज है जब किसी भी सोर्स की पहचान के बिना व्यक्ति संक्रमित होने लगते हैं। अमेरिका, ब्राजील, इटली आदि देशों में यह स्थिति आ चुकी है।

17. हर्ड इम्युनिटी(सामुदायिक रोग प्रतिरोधक क्षमता)

हर्ड शब्द का अर्थ है झुंड। हर्ड इम्युनिटी महामारी से संबंधित वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसमें जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग प्राकृतिक रूप से या वैक्सीन के द्वारा किसी संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेता है अर्थात वायरस के खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो जावे।इससे समुदाय में वायरस फैलने की चेन को ब्रेक किया जा सकता है। कुछ विशेषज्ञ के अनुसार जब किसी देश की कम से कम 60% आबादी को कोरोना संक्रमित कर चुका हो और वे उससे लड़कर ठीक हो गए हों तो यह स्थिति हर्ड इम्यूनिटी होगी। परन्तु अधिकांश विशेषज्ञ के अनुसार कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जनसंख्या के एक बड़े भाग को प्राकृतिक रूप से संक्रमित होकर ठीक होने देना अत्यंत जोखिम भरा कदम होगा। अतः सभी को वैक्सीन का इंतजार करना चाहिये।

18. कोरोना का पीक(चरम)

इसका अर्थ है कि संक्रमण के नए मामलों में स्थिरता आ गई है और नए मामले लगातर कम होते जा रहे हैं। जब प्रतिदिन मिलने वाले नए संक्रमितों की संख्या पिछले दिन के बराबर या उससे कम होने लगती है, इसे ही महामारी की शब्दावली में पीक कहा जाता है, लेकिन यह गिरावट नियमित होना चाहिए। कुछ विशेषज्ञ के अनुसार कोरोना के पीक की स्थिति के लिए नए मरीजों की संख्या में गिरावट का ट्रेंड लगातार दो सप्ताह तक होना चाहिए। भारत में अभी कोरोना महामारी को पीक पर नहीं माना जा सकता क्योंकि नए कोरोना मरीज प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है अतः पूरे देश में एक ही समय में पीक की स्थिति नहीं बनेगी। यहाँ अलग अलग राज्यों में अलग अलग समय पर कोरोना पीक की स्थिति की संभावना है।इससे संक्रमण का फैलाव कुछ हद तक ही कम होगा लेकिन खत्म नहीं होगा अतः पीक आने के बाद भी सावधानियां बरतनी होंगी जिससे महामारी दुबारा फैलनी ना शुरू हो जावे।

राजीव लघाटे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जनपद पंचायत

कोरोना को हराने के लिए पीएमएवाय–जी डेमोस्ट्रेटर बने वॉलिंटियर

कोविड–19 को डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा महामारी घोषित किया गया है। जिस महामारी का प्रकोप देश ही नही पूरे विश्व में इसका संक्रमण तेजी से फैल चुका है। कोविड–19 महामारी का जागरूक प्रचार–प्रसार भी शासन द्वारा युद्धस्तर पर किया जा रहा है। कई सामाजिक संस्थाएं व व्यक्ति विशेष अपने–अपने स्तर से इस महामारी में अपना योगदान कर रहे है।

जिस कड़ी में उज्जैन संभाग के जिला एवं जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम गुर्जरबर्डिया में श्री मधुसूदन शर्मा डेमोस्ट्रेटर कोविड–19 के प्रचार–प्रसार हेतु ग्राम पंचायत द्वारा सेवाऐं ली जा रही है जो ग्रामीणों को सामाजिक दूरी का पालन कैसे किया जा सकता हैं, मास्क का उपयोग क्यों जरूरी है, हाथों को साबुन से बार–बार धोना अति आवश्यक है आदि विषयों से ग्रामीणजनों को जागरूक करने का अथक प्रयास किया जा रहा हैं एवं कियोस्क सेंटर में लॉकडाउन में राशि निकालने पर लोगों को सामाजिक दूरी का पालन करना एवं खाते से राशि निकालने में मदद की जा रही हैं। निश्चित ही जहां देश की जनता लॉकडाउन में घरों में रही है वहां ऐसा सामाजिक कार्य का निर्वहन करना युवाशक्ति का प्रेरणा है इस कोरोना की जंग में इन सिपाहियों का स्वप्रेरित होकर देश के लिए सराहनीय कदम है इस हौंसले से अन्य ग्रामवासियों को प्रेरणा मिलेगी।

अरविंद सोनगरे,
संकाय सदस्य

हौसलों की उड़ान

यदि सही मार्गदर्शन और पक्का इरादा हो तो व्यक्ति जीवन के पथ में अग्रसर होता है। सुश्री प्रतिज्ञा गुर्जर के कथन अनुसार– जब मैं क्षे.ग्रा.वि.प.रा.प्रशिक्षण केंद्र उज्जैन में एम.आर.पी सर्टिफिकेशन कोर्स में गई तब हमें उपायुक्त (विकास)/प्राचार्य श्रीमती सीमा अग्रवाल एवं सीनियर फैकल्टी श्री जी.एस. लोहिया सर के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नवाचार करने हेतु प्रेरित किया गया था, फलस्वरुप मैने सरपंच ग्राम पंचायत सकरावदा जनपद सैलाना जिला रतलाम के श्री वागजी खराड़ी से समन्वय कर गांव में जन जागरण के कार्यों को किया है। जब इन्होंने कोरोना बीमारी के बारे में सुना तो मुझे यही लगा कि बाकी दूसरी बीमारियाँ हैं वैसे ही यह कोरोना होगी लेकिन यहां किसे पता था कि ये कोरोना बीमारी संक्रमण फैलाने वाली है। सबको घर में रखने वाली है। मुझे तो बस यही लगा था कि जैसे दूसरी बीमारी खत्म होती है वैसे ही कोरोना भी खत्म हो जाएगा। जब यह बीमारी सबसे पहले चाइना में फैली तब सोचा कि यह बीमारी अन्य देशों में है, मेरे भारत देश में तो आने वाली नहीं है, लेकिन शायद मै गलत थी क्योंकि यह बीमारी चाइना से होकर हमारे भारत देश तक आ पहुंची और हम लोग कुछ कर भी नहीं पाए, वो दिन भी आ गया जब हम सब घरों में बंद (लॉकडाउन) होने लगे। सुश्री प्रतिज्ञा गुर्जर द्वारा जब गांव के रास्ते सूने हो गए थे , तब घर–घर जाकर साबुन से हाथ धुलवाएं गए। वे सब बार–बार साबुन से हाथ धोने लगे, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी बेशर्म थे, कि आज भी उतर रहे हैं वे

सड़कों पर क्यों नहीं समझते यह लोग क्या अपनी जान से भी ज्यादा है दूसरे काम?

इस प्रकार इनके द्वारा जन सेवा का एक कदम आगे बढ़ाया है, जिन लोगों के पास मास्क नहीं थे, घर पर ही मास्क बनाए और हर घर में लोगों को बांटे, यहां तक कि मास्क का सही इस्तेमाल कैसे करना है। व्यक्ति से व्यक्ति की दूरी बनाकर सोशल डिस्टेंस का पालन करवाया, और साबुन से हाथ कैसे धोना है कितनी बार धोना है इसके बारे में भी जानकारी दी गई और Sanitizer का इस्तेमाल कैसे करना है इसके बारे में भी बताया गया। यहां तक की ग्राम सकरावदा में Bleaching powder का भी छिड़काव करवाया है ताकि अगर कोई वायरस गलती से मौजूद हुआ तो खत्म हो जाएगा। लोगों को समझाने के लिए एक गीत के माध्यम से लोगों तक

बात रखी और उनको समझाया कि घरों में रहना कितना जरूरी है। दूसरी बात यह रही कि लोगों को समझाने के लिए एक डांस किया गया उसमें बताया गया कि दूर से ही नमस्ते करना है पास नहीं जाना है

मुंह पर मास्क लगाना है, दाल रोटी खाना है। आप चिकन मटन को खाना छोड़ दीजिए एवं सार्वजनिक स्थान और भीड़ वाली जगह पर नहीं जाना है। जो मनरेगा का काम चल रहा है वहां पर भी जा कर चेक किया है कि मजदूर फिजिकल डिस्टेंस बनाकर काम कर रहे हैं या नहीं। मुंह पर मास्क लगा रखा है या नहीं, उनके लिए हाथ धोने के लिए साबुन या सैनिटाइजर की व्यवस्था है या नहीं। यह सारे कार्यों की मॉनिटरिंग इनके द्वारा की गई हैं। ऐसी महामारी में जहां आमजन अपने घरों से नहीं पाते ऐसी स्थिती में ग्रामीण समाज के लोगों को घर घर जाकर सुश्री प्रतिज्ञा गुर्जर ने जागरूक किया ।

वर्तमान परपेक्ष्य में इनके द्वारा रतलाम न्यूज चैनल पर न्यूज रीडर का कार्य भी बखूबी किया जा रहा है, जो की प्रशंसा के योग्य है ऐसी प्रतिभाशाली सामाजिक कार्यकर्ता से अन्य मास्टर रिसोर्स पर्सन को भी प्रेरणा लेना चाहिए।

घनश्याम सिंह लोहिया,
संकाय सदस्य

सफलता की ऐसी कहानी जो बदल देगी आपके सोचने का नजरिया

सीधी जिले की जनपद पंचायत सीधी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पनवार चौहाननटोला आती है जिसके सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान उम्र 42 वर्ष है जो हाल ही में वर्ष 2018 में पंचायत चुनाव से निर्वाचित हुए है। ग्राम पंचायत पनवार चौहाननटोला सीधी जिले से 05 किलोमीटर दूर सीधी–शहडोल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। ग्राम पंचायत पनवार चौहाननटोला में कुल 785 परिवार निवासरत है जिसमें पुरूष 1585 एवं महिला 1483 कुल जनसंख्या 3068 है। वर्गवार सामान्य वर्ग के 823 अन्य पिछडा वर्ग के 1314 अनुसूचित जाति के 391 एवं अनुसूचित जनजाति के 540 है। 0 से 18 वर्ष के 1090 लोग है जिनके शिक्षा के लिये 03 शासकीय स्कूल एवं बच्चों के पोषण एवं आहार के लिये 04 आंगनबाडी केन्द्र ग्राम पंचायत में खुले हुए है।

श्री वीरेन्द्र सिंह ग्राम पंचायत पनवार चौहाननटोला से निर्वाचित होते ही ग्रामीणो की प्रतिदिन की समस्याओ को ग्रामसभा के माध्यम से निराकरण किये जाने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2018 प्रारंभ होते ही पहली ग्रामसभा दिनांक 14.04. 2018 को ली गई। ग्राम पंचायत अत्यधिक बडी होने से पृथक पृथक टोले में जाकर ग्रामसभा आयोजित की गई जहॉ ग्रामीणो के ग्रामसभा मे चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि बिजली के बिल अत्यधिक दर से संबंधित समस्याएं ज्यादा संख्या में है। उसी वर्ष राज्य शासन से संबल योजना लागू हुई थी। श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान सरपंच ने ग्रामीणों की समस्याओ का देखते हुए 837 व्यक्तियो को संबल योजना से जोडे जाने का निर्णय लिया गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि नवीन संबल योजना से 291 परिवारो को सरल बिजली की सब्सिडी, 06 परिवारो को राशि पॉच हजार अंत्येष्टि सहायता राशि एवं 01 परिवार को अनुग्रह राशि 2 लाख रूपये की मदद मिल सकी।

श्री वीरेन्द्र सिंह चौहन संरपंच ग्राम पंचायत पनवारचौहननटोला द्वारा बेटी गौरव योजना का शुभारंभ किया गया जिसमें बेटियो के बरहौ संस्कार के लिये अपनी वेतन सरपंच स्वयं दान की जाती है साथ ही उन बेटियों के जन्म दिवस पर 05 पौधें लगाये जाते है एवं पर्यावरण के संरक्षण के प्रति लगाव होने से दिनांक 15 अगस्त 2018 को नवीन प्लान्टेशन का कार्य स्वीकृत करते हुए उसे अटल स्मृति कन्या उपवन का नाम दिया गया। अटल स्मृति कन्या उपवन मे लगभग 1100 पौधे आज जीवित अवस्था में है। श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान गरीबों की मदद के लिये हमेशा तत्पर रहते है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत दिनांक 26.01.2019 की ग्रामसभा में 31 हितग्राहियो का चयन सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान ग्राम पंचायत

पनवारचौहाननटोला द्वारा किया गया जिसमें से 09 हितग्राहियो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल चुका है, हितग्राही का आवास अच्छा हो इसके लिये श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान ने स्वयं अपनी देखरेख में आवास का कार्य पूर्ण कराया गया। लाभन्वित हितग्राही ऐसे आवास में रहने की कमी कल्पना भी नही किये थे।

पेयजल हेतु ग्राम पंचायत पनवारचौहननटोला में 72 हैण्डपम्प हैं जिसमें से खराब हैण्डपम्पों को सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान ने स्वयं से पहल करके सुधार कराया गया एवं ग्राम पंचायत भवन परिसर में 01 बोरबेल भी कराया गया है ताकि आवश्यकता पडने पर ग्रामीणों को पेय जल हेतु परेशानी न हो।

स्वच्छता की दृष्टि से श्री वीरेन्द्र सिंह सरपंच ग्राम पंचायत पनवारचौहाननटोला द्वारा स्वयं के प्रयास से 04 कचरा की पेटी सार्वजनिक जगह पर रखवाया गया है ताकि ग्रामीणजन बीमार न हों।

छोटे बच्चों के पोषण एवं शारीरिक विकास के लिये श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान ग्राम पंचायत पनवार चौहाननटोला द्वारा ग्राम पंचायत मे शिक्षा समिति का गठन किया गया है जहॉ 04 माह से 03 वर्ष के 34 बच्चों 3 से 4 वर्ष के 79 बच्चों को आंगनबाडी केन्द्रो में पहुॅचाया गया है। अप्रवेशी 25 बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाया गया है।

हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को बनाये रखने के लिये आवश्यक विलुप्त हो रहे पौधो को बचाने के लिए जैव विविधता समिति का गठन किया गया है जिसमें समिति के द्वारा ग्राम के सभी परिवारो को मेडिसिनल पौधे की उपयोगिता बताया जाकर जागरूक किया गया है एवं जैवविविधता समिति द्वारा ग्राम पंचायत भवन के परिवार में मेडिसिनल पौधे जैसे 15 अर्जुन 08 ऑवला 06 तुलसी 03 नारियल 10 सिंदूर के पौधे लगाये गये है।

गर्भवती महिलाओ को स्वास्थ्य की सुविधा समय पर मिल सके के लिये स्वास्थ्य समिति का गठन किया गया है जिसमें समिति के द्वारा 42 गभवती महिलाओ को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया है।

रोजगार की दृष्टि से सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह चौहान द्वारा आचार्य विधा सागर डेयरी का खुलवाया जाकर ग्राम पंचायत पनवारचौहाननटोला में रोजगार उत्पन्न करने की पहल की गई। 06 स्व–सहायता समूह का गठन भी कराया गया है भविष्य में ग्राम पंचायत के सभी ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाये जाने का संकल्प लिया जाकर कार्य कर रहे है।

ग्राम पंचायत क ग्रामीणो को प्रायः बच्चो के प्रवेश के समय एवं शासन द्वारा चलाई जा रही महत्वांकाक्षी योजनओं में लाभ के लिये समग्र आईडी पहचान पत्र पासबुक एवं आधार कार्ड आदि की फोटो कॉपी हेतु बाजार जाना पडता था छोटे से कार्य के लिये ग्रामीणों के शहर जाने से वह उस दिन पंचायत पनवार चौहाननटोला ने देखा और ग्राम पंचायत में ही संदीप तिवारी कॉमन सर्विस सेंटर का प्रारंभ कराया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत भवन में प्रिंटर कम्प्यूटर एवं इंटरनेट एवं बिजली गुल होने की समस्या से छुटकारा हेतु इनवर्टर की भी व्यवस्था की गई है। वर्तमान समय में ग्रामीणों को फोटोकॉपी संबंधी कार्यो के लिये शहर नहीं जाना पडता है। भारत सरकार द्वारा म.प्र. के ग्राम पंचायत के उत्कृष्ट कार्य हेतु पनवार चौहनन को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरूस्कार दिया गया।

राजेन्द्र प्रसाद खरे,
संकाय सदस्य